कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या..................

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words)

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में -

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय सामाजिक विज्ञान

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 18-03-16

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंको का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर.................. संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 157 / 2016

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1. " हम बम व पिस्तौलो की उपासना नही करते बल्कि समाज मे क्रांति चाहते है " यह कथन भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने कहा था।

2. लोकतांत्रिक शासन प्रणाली मे ' व्यक्ति की गरिमा ' सर्वाधिक सुरक्षित रहती हैं।

3. प्रति व्यक्ति आय ⇒
किसी देश की कुल आय मे कुल जनसंख्या का भाग देने पर प्राप्त राशि को प्रति व्यक्ति आय कहते हैं।

सूत्र :- $\frac{\text{राष्ट्रीय आय}}{\text{कुल जनसंख्या}}$

4. बिस्कुट के उत्पादन हेतु दो मध्यवर्ती वस्तुएँ ⇒
(i) गेहूँ का आटा व गेहूँ
(ii) रंजक
(iii) विभिन्न मिश्रित पदार्थ इत्यादि।

5. निवेश ⇒
किसी भी व्यवसाय या व्यापार मे लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य के लिए धन या सुविधा या सेवा मुहैया कराना निवेश कहलाता हैं।
इसके अतिरिक्त किसी कम्पनी द्वारा ~~किया गया~~ धन या सुविधा मुहैया कराना विदेशी निवेश कहलाता हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

6. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का दूसरा नाम :- COPRA 1986
(counsler protect Act 1986)

7. पूना पैक्ट :-
(i) पूना पैक्ट सितम्बर 1932 मे हुआ।
(ii) यह महात्मा गाँधी व डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बीच हुआ।

8. सतत, पोषणीय विकास :-
वह विकास जो पर्यावरण को नुकसान पहुँचाये बिना हो व वर्तमान विकास की प्रक्रिया भविष्य की भावी पीढी के विकास की अवहेलना न करे।
सतत, पोषणीय विकास के अन्तर्गत पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक - आर्थिक जैसे मुद्दो पर बल दिया जाता हैं।

9. काली मृदा की दो विशेषताएँ :-
(i) काली मृदा मे नमी धारण की क्षमता अत्यधिक होती हैं।
(ii) काली मृदा महीन कणो या मृत्तिका से बनी हुई होती हैं।
(iii) यह अत्यधिक उपजाऊ होती हैं।
(iv) काली मृदा मे पोटेशियम, कैल्शियम, चूना पत्थर की मात्रा पायी जाती है लेकिन फास्फोरस की मात्रा कम होती हैं।
(v) काली मृदा को रेगर मृदा भी कहा जाता हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(vi) काली मृदा वर्षा के समय जोतने योग्य नही रहती। इसलिए वर्षा से पहले ही यहाँ पर जुताई की जाती है।

(vii) काली मृदा महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, मालवा, दक्कन का पठार इत्यादि पर विस्तृत है।

10. संकटग्रस्त वन्य जीव:-

(i) मगरमच्छ
(ii) काला हरिण
(iii) पहाड़ी कोयल
(iv) चित्तीदार उल्लू इत्यादि।

11. राजस्थान के शुष्क व अर्द्धशुष्क क्षेत्रो मे वर्षा जल संग्रहण:-

(i) वर्षा जल जब ढलवा छतो पर गिरता है तो वह ढलान के माध्यम से नालो मे चला जाता है।
(ii) अब इसे रेत व ईंट का प्रयोग कर छाना जाना जाता है।
(iii) पाइपो के माध्यम से जल किसी हौज या टंकी या कुंड मे चला जाता है।
(iv) अब आवश्यकतानुसार वर्षा के संग्रहित जल का उपयोग कर लिया जाता है।
(v) कभी-2 यह जल किसी गहरे तालाब या नदी-नालो मे या भूमि मे भी डाल (निष्कासित कर) दिया जाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

12. भारत मे चावल की कृषि के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएँ :-

(i) चावल को उगाने के लिए 25°C से अधिक तापमान की आवश्यकता होती हैं।

(ii) 100 cm से अधिक वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती हैं।

(iii) ठंडी नम जलवायु भी अनुकूलित हैं।

(iv) मौसमी अनुकूलता इत्यादि।

13. विनिर्माण उद्योग का महत्व:-

(i) विनिर्माण उद्योग ने न केवल कृषि का आधुनीकरण किया है बल्कि द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्र मे रोजगार दिलाकर कृषि पर से निर्भरता को भी कम किया हैं।

(ii) विनिर्माण उद्योग द्वारा अधिकाधिक विदेशी पूंजी की प्राप्ति भी की जाती हैं।

(iii) यह विभिन्न देशो मे संबंधो को अधिक मजबूत बनाता हैं।

(iv) वे ही देश अधिक विकसित है जो कच्चे पदार्थो को मूल्यवान उत्पादो मे परिवर्तित करते हैं।

(v) विनिर्माण उद्योग के कारण भारत व अन्य देशो मे बेरोजगारी की समस्या कम हुई हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | परीक्षार्थी उत्तर

(v) विनिर्माण उद्योग से हमे अनेक मूल्यवान उत्पाद प्राप्त होते हैं।

(vi) विनिर्माण उद्योग मे वस्तुओ के उत्पादन मे समय की बचत होती हैं।

15. ब्रेटनवुड्स सम्मेलन :-

ब्रेटनवुड्स सम्मेलन सन् १९४४ मे अमेरिका के न्यू हैम्पशायर शहर मे हुआ। इस सम्मेलन का उद्देश्य दोनो विश्वयुद्धो के बीच आर्थिक स्थिरता व पूर्ण रोजगार बनाएँ रखना था। ब्रेटन वुड्स सम्मेलन मे विभिन्न देशो ने भाग लिया व इस सम्मेलन के दौरान कई महत्वपूर्ण ~~का~~ निर्णय भी लिये गए। इस सम्मेलन मे पूर्ण रोजगार व आर्थिक स्थिरता के लिए दो संस्थाओ की स्थापना की :-

(i) अंतराष्ट्रीय विनिर्माण व विकास बैंक (विश्व बैंक)
(ii) अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)

ब्रेटनवुड्स की जुड़वाँ संताने :-

(i) अंतराष्ट्रीय पुनर्निर्माण व विकास बैंक (जिसे वर्तमान मे विश्व बैंक कहा जाता है)
(ii) अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष।

इन्हे ब्रेटनवुडस ट्विन कहा जाता है क्योकि दोनो का उद्देश्य आर्थिक स्थिरता व पूर्ण रोजगार बनाएँ रखना था व दोनो की स्थापना ब्रेटनवुड्स सम्मेलन १९४४ मे हुई।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

16. ब्रिटिश औद्योगिकरण के कारण भारतीय बुनकरो को निम्न समस्याएँ का सामना करना पड़ा :-

(i) गुमाश्ते :-

गुमाश्ते ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा नियुक्त वेतनभोगी कर्मचारी थे जिनको बुनकरो पर नियंत्रण रखने, माल जमा करने, बुनकरो को भुगतान करने, कपडे की गुणवत्ता जाँच करने, अन्य कार्यों के लिए नियुक्त किया गया था।
गुमाश्ते बुनकरो के साथ शोषणात्मक व्यवहार करते थे। गुमाश्ते बुनकरो को निर्धारित समय पर काम पूरा नही करने पर, उनकी पिटाई करते थे। वे उन्हे वेतन (भुगतान) भी नही देते थे। इस कारण बुनकरो को एक बडी समस्यां का सामना करना पड़ता था।

(ii) जॉबर व अन्य वेतनभोगी :-

जॉबर भी एक वेतनभोगी कर्मचारी था जिसका कार्य ब्रिटिश सरकार की मिलो मे कर्मचारियो की नियुक्ति व उसका उनका पदस्थापन। जो बुनकर जॉबर को पारितोष नही देते तो जॉबर उन्हे मिल से निकाल देता।

(iii) अन्य कानून :-

ब्रिटिश सरकार ने मजदूरो पर कई अन्य प्रतिबंध व अधिनियम लगा

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

रखे थे, जिनके तहत बुनकरो का शोषण होता था।
एक अधिनियम इन्लैण्ड एमिग्रेशन एक्ट के तहत
फैक्ट्री मे काम करने वाले मजदूरो को
फैक्ट्री से बाहर जाने की इजाजत नही थी।

(iv) ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रस्तुत की गई संदमक
नीतियाँ:-

ब्रिटिश सरकार ने मजदूरो का
अत्यन्त निन्दात्मक तरीके से शोषण किया।
यदि मजदूर उसके नियम का पालन नही
करता तो उसके साथ-2 उसके परिवार को
भी अनेक समस्याएँ झेलनी पड़ती थी।
ब्रिटिश सरकार द्वारा मजदूरो को नियमोल्लंघन
के आरोप मे उस गाँव से बाहर निकाल
दिया जाता था।
यदि बुनकर किसी अन्य व्यापरी के लिए
कपडे बुनता व ब्रिटिश सरकार के लिए
कपडे नही बनाता तो भी उसे गाँव व
अपने परिवार को छोडकर भागना पड़ता।
फैक्ट्रियो मे न ही तो काम के घंटे
निश्चित थे और न ही उसका वेतन।
उसे छुट्टी जैसी सेवाएँ भी नही दी जाती।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	18.	

ब्रिटेन मे राष्ट्रवाद का इतिहास निम्न प्रकार शेष यूरोप से भिन्न था:-

(i) ब्रिटेन मे राष्ट्रवादी भावनाएँ शेष यूरोप की अपेक्षा पहले विकसित हुई। ब्रिटेन मे राष्ट्रवादी भावनाएँ लोगो मे उस समय ही पैदा हो चुकी थी जब वे उपनिवेश बन रहे थे।

(ii) ब्रिटेन मे राष्ट्रवाद मे प्रत्येक वर्ग ने अपना योगदान दिया। इसमे महिला, पुरुष, गरीब, अमीर इत्यादि का भेद नही था। ब्रिटेन का राष्ट्रवादी इतिहास शेष यूरोप की अपेक्षा अधिक उत्कृष्ट था।

(iii) ब्रिटेन के राष्ट्रवादी आंदोलन मे नव तकनीक का हथियारो का प्रयोग सबसे पहले किया। इन हथियारो मे नापाम और एंजेट ऑरेंज भी प्रमुख थे।

(iv) ब्रिटेन मे राष्ट्रवादी आंदोलन कई दशको तक चला। इतना लंबा राष्ट्रवादी इतिहास शेष यूरोप के किसी भी देश का नही था।

(v) ब्रिटेन के राष्ट्रवादी आंदोलन व इतिहास मे हवाई हमले नही हुए चूंकि उस समय इनकी खोज नही हुई थी। ब्रिटेन के राष्ट्रवादी आंदोलन (इतिहास) मे प्रत्येक जन-2 ने भाग लिया।

(vi) ब्रिटेन ने अपने राष्ट्रवादी आंदोलन व इतिहास

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

के लिए औपनिवेशिक शासन व तानाशाही की कडी निंदा की । इस समय किसी भी देश मे चेतना का प्रसार नही हुआ था।

(vii) ब्रिटेन के राष्ट्रवादी आंदोलनो मे निम्न बाते भी अन्य से विभिन्न थी:-

(i) एक बडी सेना

(ii) लोगो मे उत्सुकता

(iii) प्रत्येक वर्ग द्वारा शामिल होना ।

(iv) महिलाओ द्वारा पुरुषो का सहयोग व युद्ध के समय मोर्चे मे बढ-चढकर भाग लेना ।

(v) अन्य देशो के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत करना।

(viii) ब्रिटेन के युद्ध मे सैन्य शासन को हटाकर एक जनमत की नयी पहल की गई ।

(ix) ब्रिटेन मे किसी भी शासक को तानाशाही का अवसर नही दिया गया ।

(x) शासन को मजबूती से सक्रिय किया गया। इसमे वे सभी परिवर्तन को बदलावित किये गए जो युद्ध के समय हुए थे ।

कृ. पृ. उ.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

19. सत्ता की साझेदारी के तीन रूप :-

(i) सत्ता का उध्वार्धर वितरण :-

सत्ता की इस साझेदारी के अनुसार शासन के दो या दो से अधिक स्तर होते हैं। शासन व्यवस्था उच्चतर से निम्नतर के स्तर की होती हैं। सत्ता के उध्वाधर वितरण मे प्रत्येक क्षेत्र दूसरे क्षेत्र से अधिक या कम शक्तिशाली होता हैं।

(ii) सत्ता का क्षैतिज वितरण :-

सत्ता के क्षैतिज वितरण मे शासन का एक ही स्तर होता हैं। शासन का बँटवारा विभिन्न अंगो जैसे विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका के बीच होता हैं। इसमें प्रत्येक अंग एक-दूसरे पर अंकुश या नियंत्रण रखता हैं इसलिए इसको नियंत्रण व संतुलन व्यवस्था भी कहते हैं।

(iii) विभिन्न समुदायो के बीच या सामुदायिक वितरण :- इस वितरण मे विभिन्न समुदायो द्वारा एक सरकार चुनी जाती है जो बिना किसी को कम या अधिक महत्व दिए कार्य करती हैं। इस वितरण मे शासन व्यवस्था पूर्णत: लोकतांत्रिक होती हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

20· भारतीय लोकतंत्र के सम्मुख तीन प्रमुख चुनौतियाँ:-

(i) लोकतंत्र के विस्तार की चुनौती:-
जिन देशो मे भारत की तरह लोकतंत्र की स्थापना हो चुकी है उन्हे सर्वप्रमुख चुनौती 'विस्तार की चुनौती' का सामना करना पड़ रहा है। इस चुनौती का तात्पर्य है कि लोकतान्त्रिक शासन को देश के सभी क्षेत्रो, संस्थाओ, वर्गो, कार्यालयो मे लागू करना। लोकतंत्र के विस्तार की चुनौती के समाधान के लिए हमे लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धान्तो को महिलाओं, अल्पसंख्यको, राजनीति सभी मे लागू करना है।

(ii) लोकतंत्र को मजबूत बनाने की चुनौती:-
लोकतंत्र की विस्तार की चुनौती के बाद लोकतंत्र को मजबूत बनाने की चुनौती प्रमुख है। लोकतंत्र की चुनौतियो का तात्पर्य ऐसी कठिनाइयाँ जिन्हे अंदर ऐसी संभावना हो कि उन्हे हल किया जा सके। लोकतंत्र को मजबूत बनाने की चुनौती मे शासन को मजबूत बनाना है।

(iii) राजनैतिक दलो व भ्रष्टाचार की चुनौती:-
राजनैतिक दलो मे भ्रष्टाचार बढ रहा है। यह एक बडी चुनौती है। इसका समाधान वांछित है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

29. हमारे अनुसार औपचारिक साख श्रेष्ठ है क्योकि:-

(i) औपचारिक क्षेत्र मे ऋणी का शोषण नही होता है जबकि अनौपचारिक साख मे ऋणी का शोषण होता है।

(ii) औपचारिक क्षेत्र मे ऋणी मे ब्याज की दर निम्न होती है जबकि अनौपचारिक क्षेत्र मे यह कही अधिक होती है।

(iii) औपचारिक क्षेत्र मे ऋणी को सरकार से सहायता मिलती है जबकि अनौपचारिक क्षेत्र मे नही।

(iv) औपचारिक क्षेत्र मे सरकारी नियम व विनियम लागू होते है जबकि अनौपचारिक क्षेत्र मे यह लागू नही होते।

(v) औपचारिक क्षेत्र मे ऋणी को कर्ज जाल मे नही फंसाया जाता है।

(vi) अनौपचारिक रूप से जो ऋणदाता ऋण देता है उसे पुनः प्राप्ति का भरोसा नही होता जबकि औपचारिक क्षेत्र मे पूर्ण विश्वास होता है।

(vii) औपचारिक क्षेत्र मे अधिकतर ऋण का स्रोत बैंक, सहकारी समिति होते है जो निम्न दर पर ऋण दे देते है।

द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

28. भारत मे राजनीतिक दलो मे सुधार हेतु किये गए चार प्रमुख प्रयास :-

(i) दल-बदल रोक विधेयक :-

दल-बदल रोक विधेयक पारित हुआ जिसके अंतर्गत दल (राजनीतिक दल) बदलने पर उस व्यक्ति की विजित सीट भी चली जाएगी। इस विधेयक के अंतर्गत सरकार ने दल-बदलने पर सख्त पाबंदी लगायी है ताकि राजनीतिको दलो मे सुधार हो सके।

(ii) शपथ-पत्र (ब्यौरा) :-

हाल ही मे शपथ-पत्र देने अनिवार्य कर दिया है ताकि दलो मे अपराधिक तत्वो की घुसपैठ न हो। हर व्यक्ति को किसी भी राजनीतिक दल मे शामिल होने से पहले शपथ-पत्र देना पड़ता है। शपथ-पत्र के बिना कोई भी चुनाव नहीं लड सकता।

(iii) चुनाव आयोग :-

भारत मे चुनावो को सम्पन्न कराने मे चुनाव आयोग की भूमिका प्रमुख है। राजनीतिक दलो मे मौजूद भ्रष्टाचार रोकने के लिए चुनाव आयोग ने धन-व्यय सीमा भी निर्धारित

कृ.पृ.उ.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कर रखी है। जिससे अधिक चुनावी खर्च नही किया जा सकता।

इसके अतिरिक्त चुनाव आयोग ने दलो को अपराधिक तत्वो की घुसपैठ से बचाने के लिए भी प्रावधान किया है। राजनीतिक दलो मे स्पष्ट भागीदारी के माध्यम से भी दलो की चुनौतियाँ को सुधारा जा सकता है।

(iv) इच्छुक लोगो द्वारा स्वयं भाग लिया जाए:-

वे लोग जो राजनीतिको दलो मे मौजूद चुनौतियो को हटाना चाहते है, अपनी वर्तमान भागीदारी के माध्यम से राजनैतिक दलो के अंदर से भ्रष्टाचार को कम करे। ये लोग राजनीतिको दलो में विभिन्न अपराधिक तत्वो की घुसपैठ की समस्या का भी निराकरण कर सकते है। राजनैतिक दलो द्वारा भी यथासंभव प्रयास किये गए जैसे - घोषणा पत्र etc.

(v) बेरोजगारी व भ्रष्टाचार को कम किया:- यह भी प्रमुख प्रयास है।

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

27. भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है क्योंकि =>

(i) कोई राष्ट्रीय धर्म नहीः-
भारत का कोई भी राजकीय धर्म नही है। सभी धर्मो को समान महत्व दिया गया है। भारत मे यदि राजकीय धर्म होता तो वह धर्मनिरपेक्ष राज्य नही होता है।

(ii) धर्मान्चिरण करने की स्वतंत्रता :-
भारत मे किसी भी व्यक्ति को किसी भी धर्म के प्रति आचरण करने की स्वतंत्रता हैं। वह किसी के द्वारा इन्कार नही किया जा सकता हैं।

(iii) सरकार की भी हस्तक्षेपता :-
यदि कोई भी व्यक्ति धर्मनिरपेक्षता को हानि पहुँचाना चाहता है तो सरकार को पूर्ण अधिकार है कि उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करे।

(iv) भारतीय संविधानुसार :-
भारतीय संविधान मे भी यह प्रस्ताव है कि किसी भी भारतीय को धर्मनिरपेक्षता से वंचित नही किया जा सकता है अर्थात् प्रत्येक नागरिक को उसके धर्म के प्रति आचरण करने का अधिकार हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

२८. परंपरागत ऊर्जा स्त्रोत :-
ऊर्जा के वे स्त्रोत जिनका उपयोग प्राचीन काल से हो रहा है व जिनके द्वारा अधिक प्रदूषण होता है।

नाम :-
(i) कोयला (ii) पेट्रोलियम (iii) पेट्रोल (iv) डीजल (v) जल-विद्युत etc.

कोयला :- ऊर्जा का सर्वप्रमुख स्त्रोत कोयला है। कोयले को इसके अत्यधिक उपयोग के कारण काला सोना भी कहा जाता है। कोयले के द्वारा अधिक मात्रा मे कार्बन मोनो-ऑक्साइड व कार्बन डाइ ऑक्साइड निकलती है।
कोयला सामान्यतया चार प्रकार का होता है :- (i) पीट :- यह अधिक नमी व कम ईंधन का कोयला है। इसकी ज्वलन क्षमता अत्यन्त न्यून होती है।
(ii) लिग्नाइट :- यह निम्न कोटि का भूरा कोयला होता है इसकी ज्वलन क्षमता पीट से अधिक होती है।
(iii) बिटुमिनस :- बिटुमिनस भी कोयले का एक प्रकार है। इसमे 50 से 60 % कार्बन पाया जाता है। यह औद्योगिक दृष्टि से अन्यो से बेहतर है।
(iv) एंथ्रेसाइट :- एंथ्रेसाइट कोयला कठोर प्रकृति का होता है। इसमे कार्बन।

परीक्षार्थी उत्तर

की मात्रा लगभग 70% होती है।

कोयले का वितरण:- कोयला प्राय दो प्रकार की भूगर्भिक युगो की शैलो मे पाया जाता है:-

(i) गोंडवाना:- यह कोयला का प्रमुख क्षेत्र है जो मेघालय, कर्नाटका, केरल, असम, नागालैंड मे विस्तृत है। यह लगभग 50 लाख वर्ष पुरानी है।

(ii) टरशियरी:- टरशियरी क्षेत्र मे भी कोयले की बहुतायत है। यह लगभग 300 वर्ष पुरानी है।

कोयला एक अनवीकरणीय व परंपरागत स्रोत है। इसका अधिक उपयोग इसे समाप्त भी कर सकता है। कोयले के बचाव के लिए हमे कोयले की जगह गैरपरंपरागत व नवीकरणीय संसाधनो का प्रयोग करना चाहिए।

कोयला एक अनवीकरणीय ईंधन है। कोयले का निर्माण विभिन्न पेड़-पौधो व जीव-जंतुओ के भूमिदाब होने से हुआ है।

कृ.पृ.उ.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अथवा का उत्तर :-

25. प्रेमचंद के उपन्यासो की विशेषता :-

(i) प्रेमचंद के उपन्यास जन-जीवन पर आधारित होते थे। ये उपन्यास प्रत्येक वर्ग के हितो की नुमाइंदगी करते थे। इन उपन्यासो के माध्यमो से प्रेमचंद ने एक नयी चेतना उकेरी थी।

(ii) प्रेमचंद के उपन्यास 'सेवासदन' ने उपन्यासिक जीवन को फंतासी, मनोरंजन से उबकर जन-सामान्य व सरोकारो पर केंद्रित कर दिया।

(iii) प्रेमचंद के उपन्यासो के प्रभाव से लोगो को भारतीय स्वतन्त्रता का स्वाद चखने को मिला। प्रेमचंद के उपन्यासो ने लोगो को स्वतंत्रता के प्रति प्रेम भावना जागृत की।

(iv) प्रेमचंद की उपन्यास विधा उत्कृष्ट थी, वे लोगो को एक नयी प्रेरणा देते थे, उपन्यासो ने प्रेमचंद ने भारत के ग्रामीण जीवन की चित्राकृति उकेरी हैं।

(v) प्रेमचंद ने अपनी उपन्यास विधा मे मनोरंजन को भी एक अहम स्थान दिया हैं।

उत्तर- 30. (ख)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर

नामांक Roll No.

B.S.E.R. W

S-08-Social Science

माध्यमिक परीक्षा, 2016

SECONDARY EXAMINATION, 2016

SOCIAL SCIENCE

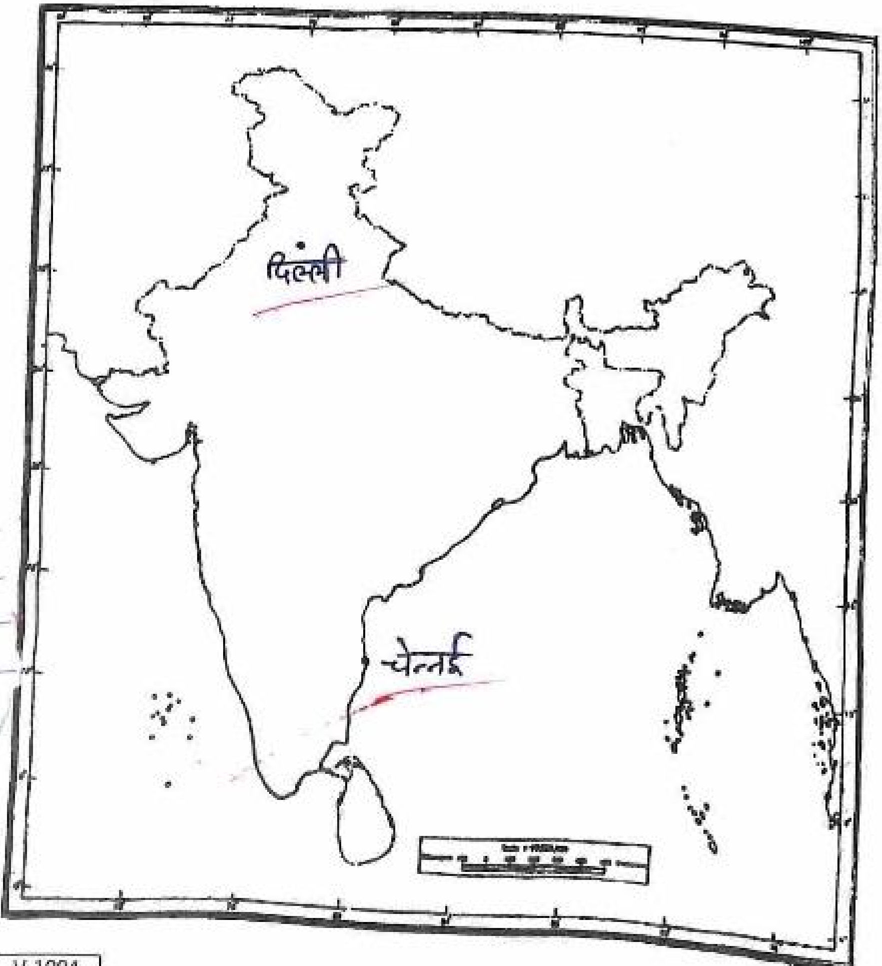

V-1004

उत्तर • 30 (क)

नामांक Roll No.

S-08-Social Science

माध्यमिक परीक्षा, 2016

SECONDARY EXAMINATION, 2016

SOCIAL SCIENCE

B.S.E.R. W

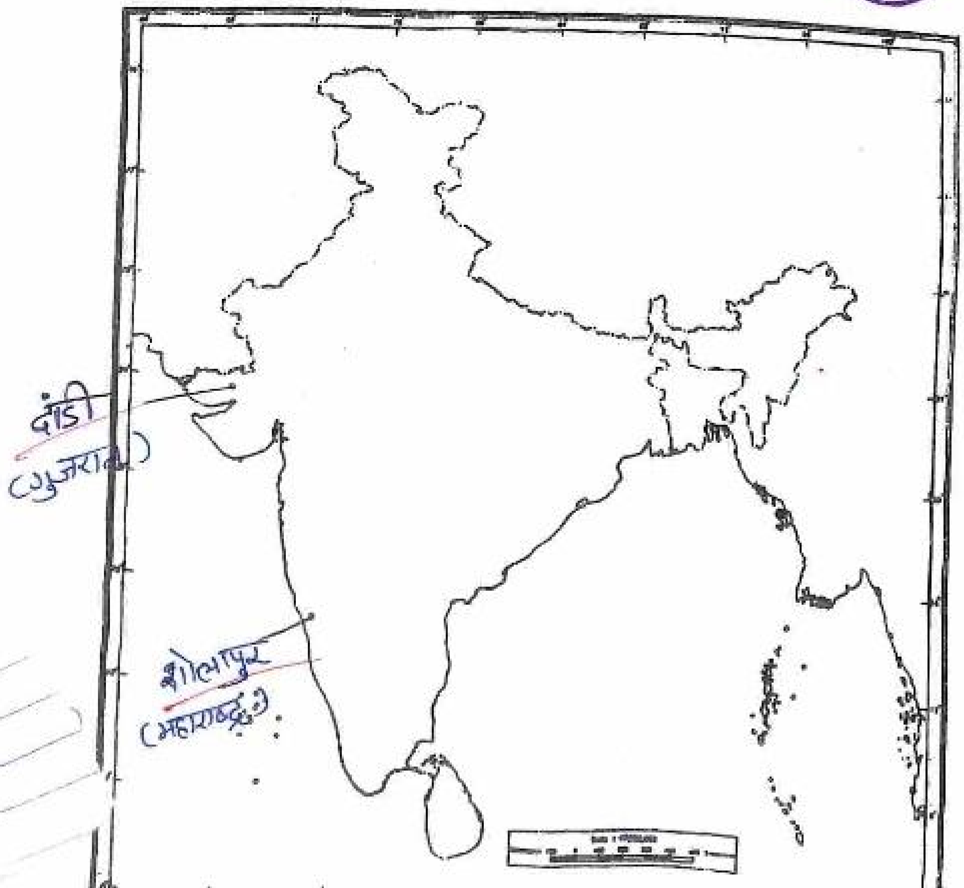

V-1004

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

परीक्षार्थी उत्तर

बाजार मे उपभोक्ता के शोषण के प्रकार :-

(i) कम तोलना :- व्यापारी या व्यवसायी किसी भी व्यक्ति की अज्ञानता या अशिक्षा का लाभ उठाकर उसे वस्तु की माप को कम तोलते हैं।

(ii) अधिक मूल्य लेकर :- वे वस्तु पर लिखी लागत (अधिकतम खुदरा मूल्य) से अधिक कीमत मे लेते हैं।

(iii) मिलावटी वस्तु देकर :- व्यापारी व व्यवसायी उपभोक्ता को वस्तु की गुणवत्ता के साथ उपेक्षा करते है वे उसे मिलावटी वस्तु देकर ठग लेते है।

(iv) गुप्त मदो को छोड़कर :- गुप्त मदो को जोड़कर व्यापारी या व्यवसायी उपभोक्ता को ठग लेते है वे उपभोक्ता को पहले तो सुविधाजनक सेवाएँ नही देते है व बाद मे उसमे गुप्त मदो को जोड देते है।

(v) विक्रय के उपरांत संतोषजनक सेवाएँ न देकर :- कई व्यापारी या व्यवसायी पहले तो उपभोक्ता को वस्तु की गारंटी या वारंटी देते है लेकिन बाद मे उस वस्तु की गारंटी या वारंटी की सेवाएँ अधूरी छोड देते है।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

23. भारत मे वैश्वीकरण के प्रभाव :-

(i) वैश्वीकरण के फलस्वरुप भारत मे नयी तकनीक का आगमन हुआ हैं। इससे उपभोक्ता को लाभ हुआ हैं। वैश्वीकरण से विदेशी निवेश मे भी वृद्धि हुई हैं।

(ii) वैश्वीकरण के फलस्वरुप लघु व कुटीर उद्योगो का पतन हो गया है अर्थात् लघु व कुटीर उद्योग बहुराष्ट्रीय निगमो से प्रतिस्पर्धा नही कर पाएँ व नष्ट हो गए।

(iii) वैश्वीकरण के फलस्वरुप भारत व अन्य देशो मे रोजगार के अवसरो मे भी वृद्धि हुई है अर्थात् वैश्वीकरण ने कई बहुराष्ट्रीय कंपनियो द्वारा फैक्ट्रियो की स्थापना की गई व श्रम के कारण रोजगार मे वृद्धि हुई है।

वैश्वीकरण के फलस्वरुप किसी देश के उत्पादक व उपभोक्ता दोनो को ही लाभ हुआ हैं। उपभोक्ता को तो लाभ वस्तु की कीमत घटने व गुणवत्ता बढने से उत्पादको को लाभ अधिक खुदरा मूल्य मिलने से हुई हैं।

वैश्वीकरण के कारण भारतीय श्रमिकों को नुकसान हुआ है क्योंकि श्रम व्यवस्था मे लचीलापन आ गया है।

अंक प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

22. भारत मे प्राथमिक द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्रक मे परस्पर निर्भरता :-

(i) प्राथमिक क्षेत्रक की गतिविधियाँ द्वितीयक क्षेत्रक पर निर्भर है क्योंकि प्राथमिक क्षेत्रक मे मशीनो, बीजो इत्यादि की गुणवत्ता तृतीयक क्षेत्रक पर ही आश्रित होती हैं। तृतीयक क्षेत्रक की गतिविधियाँ भंडारण, परिवहन, संचार, बीमा भी प्राथमिक क्षेत्रक की गतिविधियो की सहायता करती हैं।

(ii) द्वितीयक क्षेत्रक की गतिविधियो मे भी प्राथमिक व तृतीयक क्षेत्रक की गतिविधियो की निर्भरता है क्योंकि द्वितीयक क्षेत्रक की गतिविधियो मे प्राथमिक क्षेत्रक का तैयार माल सहायता करता है तथा तृतीयक क्षेत्रक की संचार, भंडार व परिवहन जैसी गतिविधियाँ भी सहायता करती हैं।

(iii) तृतीयक क्षेत्रक की गतिविधियो मे भी प्राथमिक व द्वितीयक क्षेत्रक की गतिविधियाँ सहायता करती है क्योंकि तृतीयक क्षेत्रक मे सभी गतिविधियाँ शामिल है जिनसे प्राथमिक क्षेत्रक के कच्चे माल व द्वितीयक क्षेत्रक के उद्योग सहायता करते हैं।

(iv) इन सभी गतिविधियो की व्यवस्था सरकार की नजरो मे संचालित होती है।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

21. आर्थिक विकास के तीन लक्ष्य:-

(i) प्रति व्यक्ति आय / औसत आय:-
प्रतिव्यक्ति आय या औसत आय से तात्पर्य है कि किसी देश की कुल जनसंख्या के द्वारा आय मे कुल जनसंख्या का भाग देना।
यह आर्थिक विकास का लक्ष्य है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति अपनी आय को बढाना चाहता है।

(ii) नियमित रोजगार:- नियमित रोजगार से भी आर्थिक लक्ष्य को परिलक्षित किया जा सकता है। यदि व्यक्ति को नियमित रोजगार मिलता है, उसके जीवनस्तर मे सुधार होगा साथ ही उस व्यक्ति की आय भी बढेगी।

(iii) वार्षिक / दैनिक भुगतान:- जिस व्यक्ति को उसकी आय के बदले मे नियमित भुगतान किया जाता है वह व्यक्ति रोजगार ही नही बल्कि सफलता भी प्राप्त करता है।
जिस व्यक्ति को नियमित भुगतान किया जाता है वही व्यक्ति अपनी आय को बढा पाता है व आर्थिक लक्ष्य को पूरा कर पाता है।

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा नहीं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English
(In Figures)
(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में
शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय ....

परीक्षा का दिन.......शुक्रवार

दिनांक 18.3.16

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 15, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ....संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 154/2015

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पु[illegible] पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के [illegible] रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सक[illegible]
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नाम, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनु[illegible] साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे [illegible] चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉ[illegible] उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं हो[illegible] चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परी[illegible] समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक [illegible] 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ का[illegible] उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार [illegible] त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न संख्या	
31.	(क) लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अन्यो से बेहतर है क्योंकि ⇒

(i) यह व्यक्ति की गरिमा को बढ़ता हैं। इस शासन व्यवस्था मे व्यक्ति के कामकाज को भी और साथ ही उसके व्यवहारिक ज्ञान को भी बढ़ाया जा सकता हैं। व्यक्ति की गरिमा अलोकतांत्रिक अर्थात तानाशाही व अन्य व्यवस्थाओ मे हतोत्साहित होती हैं।

(ii) लोकतांत्रिक शासन प्रणाली मे व्यक्ति को स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव का अवसर दिया जाता है। वह चाहे उसको चुन सकता है व मौजूदा चुने हुए व्यक्ति या उम्मीदवार को हटा भी सकता हैं।

(iii) लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के अंतर्गत व्यक्ति को पारदर्शिता का भी लाभ मिलता हैं। वह व्यक्ति यह देख सकता है कि वर्तमान मे उसकी गरिमा संरक्षित है या नही?

(iv) वह व्यक्ति भी लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को अधिक महत्व देता है जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लाभ व हानियो के बारे मे जानकार हो।

(v) व्यक्ति को मूलभूत अधिकार दिये जाते हैं।

(vi) प्रत्येक व्यक्ति को जीने का अधिकार होता हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	31.	

(ख)

(i) सार्वजनिक यातायात का महत्त्व:-

(A) इससे व्यक्ति को आय का लाभ होता है जिससे कि व्यक्ति का विकास हो सके।

(B) सार्वजनिक यातायात के अंतर्गत उन मुद्दों को देखा जाता है जिनके तहत कोई वाहन सड़क नियमों का पालन करता है या नहीं।

(C) सार्वजनिक यातायात मे व्यक्ति को सड़क सुरक्षा के प्रति उसके दायित्व को निभाया जा सकता है

(D) दुर्घटनाओं की संभावनाओं को भी कम किया जा सकता है

(E) व्यक्ति की वर्तमान आवश्यकता के साथ-2 भविष्य यातायात लाभ / हानि को भी देखा जाता है

(F) इससे व्यक्ति को सड़क सुरक्षा की जानकारी मिलती है।

परीक्षार्थी उत्तर

31. 31. (ख)

रैम्प का उपयोग :-

(ii)

(i) वृद्धजनो या विशेषयोग्यजनो द्वारा किसी सार्वजनिक स्थान तक जाने मे

(ii) यातायात नियमो को अधिक जागरूक बनाने मे ।

(iii) किसी हॉल मे दुर्घटना की आशंका से बचने मे

(iv) किसी के द्वारा वर्तमान आवश्यकता को पूरा करने मे ।

(v) यातायात (सडक सुरक्षा) मे

(vi) किसी भीड- भाड वाले स्थानो मे)

31. (ग) सडक दुर्घटना मे जीने का अधिकार उल्लंघित होता है

व्यक्ति न चाहते हुए भी दुर्घटना मे मारा जाता है जिसके कारण जन घाति होती है व जीने के अधिकार का उल्लंघन भी ।

आगे देखे →

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	15	सड़क परिवहन की उपयोगिता :-

(i) एक वस्तु या व्यक्ति के परिवहन में

(ii) किसी वस्तु या सेवा को घर-2 पहुँचाने मे।

(iii) सड़क परिवहन का जाल ऊबड़ - खाबड व विच्छिन्न क्षेत्रों पर भी बिछाया जा सकता है।

(iv) रेलवे लाइन की अपेक्षा निर्माण लागत भी कम होती है।

(v) यह विभिन्न संचार साधनो या परिवहन साधनो को जोडने मे भी सहायक हैं।

(vi) सड़क परिवहन अन्यो की अपेक्षा अधिक संतोषजनक सेवा देता है।

(vii) सड़क परिवहन से किसी वांछित वस्तु उत्पादन स्थान तक पहुँचा जा सकता है।

— समाप्त —